

वायु प्रदूषण :- एक राष्ट्रीय समस्या

नाम : प्रीति अग्रवाल



असिस्टेंट प्रोफेसर
मांडिया कॉलेज, नीमकाथाना

DECLARATION: I AS AN AUTHOR OF THIS PAPER / ARTICLE, HEREBY DECLARE THAT THE PAPER SUBMITTED BY ME FOR PUBLICATION IN THE JOURNAL IS COMPLETELY MY OWN GENUINE PAPER. IF ANY ISSUE REGARDING COPYRIGHT/PATENT/ OTHER REAL AUTHOR ARISES, THE PUBLISHER WILL NOT BE LEGALLY RESPONSIBLE. IF ANY OF SUCH MATTERS OCCUR PUBLISHER MAY REMOVE MY CONTENT FROM THE JOURNAL WEBSITE. FOR THE REASON OF CONTENT AMENDMENT/ OR ANY TECHNICAL ISSUE WITH NO VISIBILITY ON WEBSITE/UPDATES, I HAVE RESUBMITTED THIS PAPER FOR THE PUBLICATION. FOR ANY PUBLICATION MATTERS OR ANY INFORMATION INTENTIONALLY HIDDEN BY ME OR OTHERWISE, I SHALL BE LEGALLY RESPONSIBLE. (COMPLETE DECLARATION OF THE AUTHOR AT THE LAST PAGE OF THIS PAPER/ARTICLE)

शोध पत्र की संक्षिप्तिका :-

प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ पर्यावरण में जीने का अधिकार है जो संविधान के अनुच्छेद 21 में दिये गए "जीवन जीने के अधिकार" में निहित है। वर्तमान में प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए एक गम्भीर समस्या बनता जा रहा है। मानव समाज को प्रकृति व औद्योगिकीकरण के बीच सामंजस्य स्थापित करना अति आवश्यक है। प्राकृतिक असंतुलन मानव को विनाश की ओर ले जाएगा।

परिचय :

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार 20 सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 14 शहर भारतीय है। दिल्ली में तो प्रदूषण की घटनाएँ एक दशक से भी अधिक समय से चर्चा का विषय बनी हुई है, इसकी हवा में निलंबित कणों का स्तर इतना अधिक है कि समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनियाँ भी जारी करनी पड़ती है। लेकिन वर्तमान समय में केवल दिल्ली ही नहीं बल्कि सभी बड़े भारतीय शहरों में प्रदूषण एक गम्भीर समस्या है।

वायु प्रदूषण की बुनियाद

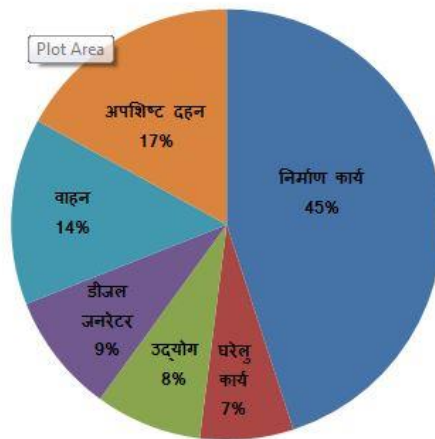
- कार्बन मोनोऑक्साइड – यह एक अधजला कार्बन है जो कि पेट्रोल, डीजल, ईंधन और लकड़ी के जलने से उत्पन्न होता है। इसके कारण ऑक्सीजन में कमी होती है।
- कार्बन डाइऑक्साइड – यह एक ग्रीन हाऊस गैस है। जब मानव कोयला, तेल और प्राकृतिक

गैसों का दहन करता है तो इनके जलने से कार्बन डाइऑक्साइड पैदा होती है।

- क्लोरो-फ्लोरो कार्बन – यह ओजोन को नष्ट करने वाला एक रसायन है।
- सल्फर डाई ऑक्साइड – जब कोयले को थर्मल पावर प्लांट में जलाया जाता है तो उससे SO₂ मुक्त होती है।



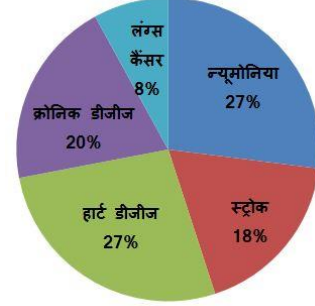
वायु प्रदूषण के स्रोत



PM 2.5 के उच्चतम स्तर वाले भारत के शीर्ष 13 शहर

शहर	PM 2.5 स्तर
दिल्ली	153
पटना	149
ग्वालियर	144
रायपुर	134
अहमदाबाद	100
लखनऊ	96
फिरोजाबाद	96
कानपुर	93
अमृतसर	92
लुधियाना	91
इलाहाबाद	88
आगरा	88
खन्ना	88

इनडोर वायु प्रदूषण से होने वाली मौतें



स्रोत : विश्व स्वास्थ्य संगठन

लॉकडाउन से घट रहा है वायु प्रदूषण –

देशव्यापी लॉकडाउन हुए कुछ ही दिन हुए हैं और देश के महानगरों ने चैन की सांस ली है क्योंकि वायु प्रदूषण के स्तर में भारी गिरावट आयी है।

- Air Quality Index -

शहर	लॉकडाउन से पहले (16-24 मार्च)	लॉकडाउन के दौरान (25-27 मार्च)	परिवर्तन
दिल्ली	162	79	-51
बैंगलुरु	25	56	-33
मुम्बई	108	74	-31
चैन्नई	67	50	-25
कोलकाता	131	100	-24

0-50 Good

51-100 Satisfactory

101-200 Moderate

- Source – Central Pollution Control Board

पर्यावरणीय अवदशाओं एवं सुनियोजित सतत् प्रबन्धन हेतु सुझाव –

विगत दशकों में पर्यावरणीय समस्याओं ने सर्वाधिक लोगों का ध्यान आकृष्ट किया है। विकास की प्रक्रिया अपने आप में पर्यावरण ह्रास का सबसे बड़ा कारण है।

- महानगरों की नवीन आवासीय कॉलोनियों में हरित मेखला का स्थान अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने पर जोर दिया जाना चाहिए तथा CNG चलित वाहनों को प्रयोग में लाया जाना चाहिए।

निष्कर्ष

- हमारी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए इस्तेमाल होने वाली बिजली उत्पन्न करने के लिए जीवाश्म ईंधन का उपयोग किया जाता है और इससे निकलने वाला धुआँ हमारे वातावरण के लिए बेहद खतरनाक होता है। इससे बचने के लिए हमें सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करना चाहिए।
- महानगरीय निवासियों में पर्यावरण के प्रति जन-चेतना को जागृत किया जाना चाहिए।

सन्दर्भ

- पुस्तकें :- Indian & World Geography, Majid Husain
India – Physical Environment-NCERT
- पत्रिकाएँ :- प्रतियोगिता दर्पण
दृष्टि करेंट अफेयर्स
- वेबसाइट :- www.pmindia.gov.in
www.dristiias.com
www.pib.gov.in

Author's Declaration

I as an author of the above research paper/article, hereby, declare that the content of this paper is prepared by me and if any person having copyright issue or patent or anything otherwise related to the content, I shall always be legally responsible for any issue. For the reason of invisibility of my research paper on the website/amendments /updates, I have resubmitted my paper for publication on the same date. If any data or information given by me is not correct I shall always be legally responsible. With my whole responsibility

legally and formally I have intimated the publisher (Publisher) that my paper has been checked by my guide (if any) or expert to make it sure that paper is technically right and there is no unaccepted plagiarism and the entire content is genuinely mine. If any issue arise related to Plagiarism / Guide Name / Educational Qualification / Designation/Address of my university/college/institution/ Structure or Formatting/ Resubmission / Submission /Copyright / Patent/ Submission for any higher degree or Job/ Primary Data/ Secondary Data Issues, I will be solely/entirely responsible for any legal issues. I have been informed that the most of the data from the website is invisible or shuffled or vanished from the data base due to some technical fault or hacking and therefore the process of resubmission is there for the scholars/students who finds trouble in getting their paper on the website. At the time of resubmission of my paper I take all the legal and formal responsibilities, If I hide or do not submit the copy of my original documents (Aadhar/Driving License/Any Identity Proof and Address Proof and Photo) in spite of demand from the publisher then my paper may be rejected or removed from the website anytime and may not be consider for verification. I accept the fact that as the content of this paper and the resubmission legal responsibilities and reasons are only mine then the Publisher (Airo International Journal/Airo National Research Journal) is never responsible. I also declare that if publisher finds any complication or error or anything hidden or implemented otherwise, my paper may be removed from the website or the watermark of remark/actuality may be mentioned on my paper. Even if anything is found illegal publisher may also take legal action against me.

Priti Agrwal
